

प्रेषक,

मनीषा पंवार

सचिव,

उत्तराखण्ड शासन

सेवा में,

निदेशक,

आयुर्वेदिक एवं यूनानी सेवाएँ,

उत्तराखण्ड, देहरादून।

चिकित्सा अनुभाग-1

देहरादून दिनांक: 17 मार्च, 2008

विषय:-

वित्तीय वर्ष 2007-08 में केन्द्रीय सहायित योजनान्तर्गत इण्डियन मेडिसिन फार्मस्यूटिकल लिमिटेड मोहान, अल्मोड़ा के भवन निर्माण हेतु धनराशि अवगुप्त करने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-3827/लेखा-/2007-08, दिनांक 23 जुलाई, 2007 एवं उम सचिव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, आयुष, भारत सरकार, नई दिल्ली के पत्र संख्या-Z.17016/61/2003-DCC(AYUS) दिनांक 22.03.2006 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय केन्द्रीय सहायित योजनान्तर्गत इण्डियन मेडिसिन फार्मस्यूटिकल लिमिटेड मोहान, अल्मोड़ा के इन्डस्ट्रियल भवन निर्माण हेतु आगणित धनराशि ₹0 65.00 लाख (₹0 पैंसठ लाख मात्र) के सापेक्ष टी0ए0सी0 द्वारा अनुमोदित धनराशि ₹0 48.15 लाख (₹0 अड़तालीस लाख पन्द्रह हजार मात्र) की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान करते हुए इतनी ही धनराशि व्यय करने की वित्तीय वर्ष 2007-08 में निम्नलिखित शर्तों के अधीन सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

1. आगणन में उल्लिखित दरों का विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों को जो दरें शिडयूल आफ रेट में स्वीकृत नहीं हैं अथवा बाजार भाव से ली गयी हो, की स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता का अनुमोदन आवश्यक होगा एवं स्वीकृत नार्म्स से अधिक किसी भी दशा में न होगा। धनराशि का आहरण भूमि का कब्जा मिलने पर किया जायेगा।
2. उक्त धनराशि आहरित कर प्रबन्ध निदेशक, कुमाऊ मण्डल विकास निगम, नैनीताल को उपलब्ध करायी जायेगी। स्वीकृत धनराशि का उपयोग प्रत्येक दशा में इसी वित्तीय वर्ष 2007-08 के भीतर सुनिश्चित किया जायेगा। निर्माण इकाई कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व यह सुनिश्चित कर लें कि कार्य स्वीकृत लागत में ही पूर्ण कराया जायेगा तथा किसी भी दशा में लागत पुनरीक्षित नहीं किया जायेगा।
3. कार्य कराने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी होगी, बिना प्राविधिक स्वीकृति के किसी भी दशा में कार्य प्रारम्भ न किया जाय।
4. कार्य पर उतना ही व्यय किया जायेगा जितना कि स्वीकृत मानक है, स्वीकृत मानक से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।
5. एकमुश्त प्राविधान को कार्य कराने से पूर्व विस्तृत आगणन गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक होगा।
6. कार्य कराने से पूर्व समस्त औपचारिकताएं तकनीकी दृष्टि को मध्य नजर रखते हुए लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों के अनुरूप ही कार्य सम्पादित कराते समय चलान करना सुनिश्चित करें।



7. निर्माण सामग्री कय करने से पूर्व स्टोर परचेज नियमों का पालन कड़ाई से किया जायेगा। कार्य कराने से पूर्व स्थल का भली-भाँति निरीक्षण उच्चाधिकारियों एवं भूगर्भवेत्ता के साथ अवश्य करा लें निरीक्षण के पश्चात् स्थल आवश्यकतानुसार निर्देशों तथा निरीक्षण टिप्पणी के अनुरूप कार्य किया जाय।
8. आगणन में जिन मदों हेतु जो धनराशि स्वीकृत की गयी है, उसी मद पर व्यय किया जाय, एक मद का दूसरी मद में व्यय कदापि न किया जाय।
9. निर्माण सामग्री को प्रयोग में लाने से पूर्व किसी प्रयोगशाला में टेस्टिंग करा ली जाय तथा उपयुक्त पायी जाने वाली सामग्री को प्रयोग में लाया जाय।
10. जीपीडीडीयू फार्म -9 की शर्तों के अनुसार निर्माण इकाई को कार्य सम्पादित करना होगा तथा समय से कार्य पूर्ण न करने पर 10 प्रतिशत की दर से आगणन की कुल लागत का निर्माण इकाई से दण्ड वसूल किया जायेगा।
11. मुख्य सचिव उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या-2047/XIV-219(2006) दिनांक 30 मई, 2006, द्वारा निर्गत आदेशों के क्रम में कार्य कराते समय अथवा आगणन गठित करते समय कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाय।
12. टीओसीओ द्वारा परीक्षित आगणन की एक छायाप्रति इस आशय से प्रेषित की जा रही है कि इसकी प्रति निर्माण इकाई को भी उपलब्ध कराई जाय ताकि संशोधित आगणन के अनुसार निर्माण कार्य सम्पादित हो सकें।
13. उक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2007-08 में अनुदान संख्या-12 के लेखाशीर्षक 4210-चिकित्सा तथा लोक स्वास्थ्य पर पूंजीगत परिव्यय-आयोजनागत-02-ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाएँ-800-अन्य व्यय-01-केंद्रीय आयोजनागत/केंद्र पुरोनिधानित योजनाए-0103-आयुष फार्मसियों का सुदृढीकरण -24- बृहद निर्माण कार्य की सुसंगत इकाईयों के नामे डाला जायेगा।
14. यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या -1124(p)/वित्त (व्यय नियंत्रण) अनुभाग -3 /2008 दिनांक 10 मार्च, 2008 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(मनीषा पंवार)  
सचिव।

संख्या एवं दिनांक तदैव।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, मजरा, देहरादून।
2. जिलाधिकारी, अल्मोड़ा।
3. उप सचिव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, आयुष, भारत सरकार, नई दिल्ली।
4. वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
5. जिला आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी, अल्मोड़ा।
6. प्रबन्ध निदेशक, कुमाऊँ मण्डल विकास निगम, नैनीताल।
7. वित्त अनुभाग-3/नियोजन विभाग/एन.आई.सी.।
8. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(सुनीलश्री पांथरी)  
उप सचिव।